वर्ष	सेवा प्रभारों की राशि	विकास कार्यों पर खर्च की गई धनराशि
1993-94	50,00,000/-रुपए	46,60,520/-रुपए
1994-95	88,61,477/- रुपए	21,83,191/-रुपए
1995-96	3,98,62,363/- रुपए	94,89,145/-रुपए

विवरण

पिछले 5 वर्षो के दौरान छावनी क्षेत्रों के विकास के लिए सरकार द्वारा स्वीकृत और वित्तपोषित योजनाओं के

विवरण

	योजना/कार्यो के नाम	1991-92	1992-93	1993-94	1994-95	1995-96 (लाख रुपए में)
1.	जलपूर्ति	50.00	2.10	90.00	2.64	8.50
2.	शुष्क शौचालयों को पानी युक्त शौचालयों में बदलना		15.00			132.27
3.	सड़को की मरम्मत	7.92	4.00	2.00		16.47
4.	भवनों की मरम्मत	3.90	6.42			
5.	विधि प्रकार के विकास	2.18	2.30			7.21
	योगः	64.00	29.82	92.00	2.64	164.45

राज्य के आधार पर नई रेज़िमेंटों का गठन

2610. **श्री नागमाणिः** क्या रक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार जाति के आधार पर गाठित रेजिमेंटो की समाप्त करके उन्हें राज्य के आधार पर गाठित करने पर विचार कर रही है क्योंकि रक्षा मामलों में जाति के आधार पर गाठित रेजिमेंटों से भेदभाव किया जाता है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) यदि नहीं, तो उसके क्या कारण है?

रक्षा मंतालय में राज्य मंत्री (श्री एन0वी0 एन0 सोमू): (क) से (ग) स्वंतत्रता प्राप्ति से पहले कुछ रेजिमेंटों के नाम उन प्रमुख वर्ग/राज्य क्षेत्र के नाम पर रखे गए थे जिनका उनमें प्रतिनिधित्व था। तथापि स्वतंत्रता प्राप्ति के समय से सरकार की यह नीती रही है कि किसी वर्ग, समुदाय, धर्म या क्षेत्र के नाम पर कोई नई रेजिमेंट खडी न की जाए। सभी नागारिक चाहे वे किसी भी वर्ग, पंथ, क्षेत्र के हों या कोई भी भाषा बोलते हों, वे भारतीय सेना में भर्ती के लिए पात्र है बशर्ते कि वे चयन के लिए भर्ती संबंधी मानदण्ड पूरे करते हों।